श्री विष्णु स्तुति

शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम्,
प्रसन्नवदनं ध्यायेत् सर्वविघ्नोपशान्तये।

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं,
विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।

लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यम्,
वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्।

औषधे चिंतये विष्णुम भोजने च जनार्धनम,
शयने पद्मनाभं च विवाहे च प्रजापतिम,
युद्धे चक्रधरम देवं प्रवासे च त्रिविक्रमं,
नारायणं तनु त्यागे श्रीधरं प्रिय संगमे,
दुःस्वप्ने स्मर गोविन्दम संकटे मधुसूधनम,
कानने नारासिम्हम च पावके जलाशयिनाम,
जलमध्ये वराहम च पर्वते रघु नन्दनं,
गमने वामनं चैव सर्व कार्येशु माधवं।

षोडशैतानी नमानी प्रातरुत्थाय यह पठेत,
सर्वपापा विर्निमुक्तो विष्णुलोके महीयते।

1

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल